

पाठ-7 अंतिम दौर 2

उद्देश्य—

भारत में ब्रिटिश शासन और मध्य वर्ग की बेवसी को समाप्त करने में गांधी के योगदान को समझाने में समर्थता।

पहला विश्व युद्ध आरंभ हुआ। राजनीति उतार पर थी। इसका कारण था कांग्रेस का तथाकथित गरम दल और नरम दल में विभाजन और युद्ध काल में लागू किए गए नियम और प्रतिबंध।

गांधी का आगमन हुआ। वे ताजा हवा के ऐसे झोंके की तरह आए जिसने फैलकर हमें गहरी साँस लेने के योग्य बनाया। वे ऊपर से अवतरित नहीं हुए थे, वे भारत की करोड़ों की आबादी के बीच से ही निकलकर आए थे। वे उन्हीं की भाषा बोलते थे और लगातार उनकी शोचनीय स्थिति की ओर ध्यान आकर्षित करते थे।

गांधी जी ने पहली बार कांग्रेस के संगठन में प्रवेश किया और तत्काल उसके संविधान में पूरी तरह परिवर्तन ला दिया। उन्होंने उसे लोकतांत्रिक और लोक संगठन बनाया। अब उसमें किसानों ने प्रवेश किया और अपने नए रूप में वह एक विशाल किसान-संगठन दिखाई देने लगा, जिसमें मध्य वर्ग के लोग भी बड़ी संख्या में थे।

इस संगठन का लक्ष्य और आधार था सक्रियता। ऐसी सक्रियता जिसका आधार शांतिपूर्ण पद्धति थी।



गांधी जी ने अंग्रेज़ी शासन की बुनियादों पर चोट की। उन्होंने कहा कि लोगों को अंग्रेज़ों के दिए खिताब छोड़ देने चाहिए।

उनका विचार था— "मैं एक ऐसे भारत के लिए काम करूँगा जिसमें गरीब से गरीब व्यक्ति भी यह महसूस करेगा कि यह उसका देश है जिसके निर्माण में उसकी आवाज़ प्रभावी है। एक ऐसा भारत जिसमें लोगों के ऊँचे—नीचे वर्ग नहीं होंगे। ऐसा भारत जिसमें सब जातियाँ पूरे समभाव से रहेंगी...ऐसे भारत में छुआछूत या नशीली मदिरा और दवाइयों के अभिशाप के लिए कोई जगह नहीं होगी...स्त्रियों को पुरुषों के समान अधिकार होंगे...यही मेरे सपनों का भारत है।"